

Total Pages : 8

K-1089

M.A.(Previous) Final Examination, 2022

HINDI

[Paper : First]

(प्राचीन एवं मध्य कालीन काव्य)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

Minimum Passing Marks : 36

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

[3x10=30]

(क) सुन रसिया, अब न बजाऊ बिपिन बैसिया।

बार-बार चरनारविंद गहि, सदा रहब बनि दसिया।

कि छलहुँ कि होएब के जाने, वृथा होएत कुल हँसिया।

अनुभव ऐसन मदन-भुजंगम, हृदय मोर गेल डसिया।

K-1089/1000

(1)

[P.T.O.]

नंद-नंदन तुअ सरन न त्यागब, बलु जग होए दुरजसिया।
विद्यापति कह सुनु बनितामनि, तोर मुख जीतल रसिआ।
धन्य-धन्य तोर भाग गोआरिनि हरि भजु हृदय हुलसिआ।

(ख) संतौ भाई आई ग्यान की आँधी रे।
भ्रम की टाटी सबै उडौणी, माया रहै न बाँधी।
हित चित की द्वै थूनी गिरानी, मोह बलिंडा टूटा।
त्रिस्नाँ छानि परि घर ऊपरि, कुबधि का भाँडा फूटा।
जोग जुगति करि संतौ बाँधी, निरचू चुवै न पाँणी।
कूड़ कपट काया का निकस्या हरि की गति जब जाँणी।
आँधी पीछै जो जल बूठा, प्रेम हरि जन भीनाँ।
कहै कबीर माँन के प्रगटे उदित भया तम षीनाँ।

(ग) लागेउ माघ परै अब पाला। बिरहा काल भएउ जड़काला।।
पहल-पहल तन रुई झौपै, हहरि-हहरि अधिकौ जिय
काँपै।।
आइ सूर होई तपु, रे नाहा। तोहि बिनु जाइ न छूटै माहा।।
एहि माह उपजै रसमूलू। तूँ सो भौर मोर जोबन फूलू।।
नैन चुवहिं जस महवट नीरू। तोहि बिनु अंग लाग सट
चीरू।।
टप-टप बूँद परहिं अस ओला। बिरह पवन होइ मारै
झोला।।

केहि सिंगार, को पहिरु पटोरा। गीउ न हार, रही होइ
डोरा।।

तुम बिनु काँपै धनि हिया, तन तिनउर भा डोला।
तेहि पर बिरह जराइ कै, चहै उड़ावा झोला।

(घ) निरमोहिया सों प्रीति कीन्हीं काहे न दुख होय?
कपट करि-करि प्रीति कपटी लै गयो मन गोय।
काल मुख तें काढ़ि आनी बहुरि दीन्हीं ढोय।
मेरे जिय की सोई जानै जाहि बीती होय।
सोच, आँखि मँजीठ कीन्हीं निपट काँची पोय।
सूर गोपी मधुप आगे दरकि दीन्हो रोय।

(ङ) सुनि सुत बध लंकेस रिसाना। पठएसि मेघनाथ बलवाना।।
मारसि जनि सुत बाँधेसु ताही। देखिअ कपिहिं कहाँ कर
आही।।
चला इंद्रजित अतुलित जोधा। बंधु निधन सुनि उपजा
क्रोधा
कपि देखा दारुन भट आवा। कटकटाइ कर्जा अरु धावा।।

2. गीति काव्य की दृष्टि से विद्यापति के काव्य का मूल्यांकन
कीजिए। [15x1=15]

अथवा

प्रेमाख्यानक काव्य परम्परा में जायसी का स्थान निरूपित कीजिए।

3. महाकवि सूरदास की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए। [15x1=15]

अथवा

सुन्दरकाण्ड के आधार पर तुलसीदास की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

कवि बिहारी की बहुज्ञता का विश्लेषण कीजिए।

(लघुउत्तरीय प्रश्न)

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।[5x4=20]

- (i) विद्यापति के शृंगार वर्णन की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
- (ii) संत कवि कबीरदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।
- (iii) जायसी के रहस्यवाद की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
- (iv) महाकवि सूरदास के वात्सल्य वर्णन के वियोग पक्ष पर प्रकाश डालिए।

- (v) महाकवि तुलसीदास के कृतित्व का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
- (vi) तुलसीदास की भक्ति भावना का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
- (vii) रीतिकाल की काव्य धाराओं का उल्लेख कीजिए।

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं बीस प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

[20x1=20]

- (i) विद्यापति के काव्य पर किस कवि का प्रभाव दिखाई देता है?
- (ii) विद्यापति की काव्य शैली क्या है?
- (iii) विद्यापति का जन्म कहाँ हुआ था?
- (iv) विद्यापति के गुरु कौन थे?
- (v) कबीर किस काव्यधारा के कवि हैं?
- (vi) 'दुलहिन गावहु मंगलाचार' किस कवि की रचना है?
- (vii) 'बीजक' के रचनाकार का नाम लिखिए।
- (viii) 'बीजक' के कितने भाग हैं?
- (ix) पद्मावत में 'दुनिया धंधा' किसके लिए कहा गया है?

- (x) जायसी का पूरा नाम लिखिए।
- (xi) सूफी कवियों ने काव्य रचना में किस शैली को अपनाया है?
- (xii) पद्मावत में परमात्मा किसे कहा गया है?
- (xiii) अष्टछाप में कितने भक्त कवि शामिल हैं?
- (xiv) पुष्टिमार्ग की स्थापना किसने की?
- (xv) सूरदास की भक्ति किस प्रकार की है?
- (xvi) पुष्टिमार्ग का जहाज किसे कहा गया है?
- (xvii) तुलसीदास जी के बचपन का क्या नाम था?
- (xviii) तुलसीदास जी का सर्वाधिक प्रसिद्ध ग्रंथ कौन-सा है?
- (xix) रामचरितमानस में कितने काण्ड हैं?
- (xx) तुलसीदास की पत्नी का क्या नाम था?
- (xxi) बिहारी किस काव्यधारा के कवि थे?
- (xxii) “मेरी भव बाधा हरौ राधा नागरि सोई।”

किस कवि की पंक्तियाँ हैं?

----X----